of the Government to maintain the dignity of their office, Government do not consider that any useful purpose will be served in collecting such information.

नैमित्तिक श्रमिकों को नियमित रूप से खपाया जाना

3219. **श्री कृष्ण कुमार गोयल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि रेलवे में नैमित्तिक श्रमिकों की संख्या कितनी है और इन नैमित्तिक श्रमिकों को नियमित रूप से खपाने के लिये विचाराधीन योजनाओं का ब्यौरा क्या है ।

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते): भारतीय रेलों पर इस समय लगभग 2.5 लाख नैमित्तिक श्रमिक काम कर रहे हैं। भारतीय रेलों पर चतुर्थ श्रेणी के पदों की सभी रिक्तियां इस समय अपेक्षित छान-बीन के पश्चात सामान्यतया नैमित्तिक श्रमिकों में से ही भरी जा रही हैं।

हाड़ौती क्षेत्र में रेल यात्रियों की तालाशी

3220. **श्री कृष्ण कुमार गोयल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बूंदी, झालावाड़) में रेलगाड़ी में चढ़ने वाले मुसाफिर के पास अफीम तलाश करने के नाम पर आये दिन उनकी तलाशी ली जाती है ;

(ख) क्या पुलिस मैन कभी कभी बिना वर्दी के और बिना बैज लगाये तलाशी लेते हैं ;

(ग) क्या पुलिस यात्रियों की तलाशी लेते समय सामान को इधर उधर बिखरे देती है और यात्रियों को उनके परिवारों के समक्ष डांटती डपटती है ; और

(घ) तलाशी लेने के नियम क्या हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते): (क) आबकारी विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी अफीम ले जाने के सन्देह में कभी कभी यात्रियों की जांच-पड़ताल करते हैं।

(ख) जी नहीं।

(ग) ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

(घ) अपराध प्रक्रिया संहिता की विभिन्न व्यवस्थाओं के साथ पठित अफीम अधिनियम की धारा 15 की व्यवस्था के अन्तर्गत कानून के अनुसार ये तलाशियां ली जाती हैं।

Demand by O&NGC Staff Association for Probe into excesses during Emergency

3221. SHRI RAMANAND TIWARY: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government have been urged by the Oil and Natural Gas Commission Staff Association to probe into the excesses committed during emergency; and

(b) if so, the reaction of Government therto?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). A telegram was received from the Officers' Association to probe into the excesses committed during the emergency. However, no detail was given about the alieged excesses. Representatives of the Associations met me on June 22, 1977 when I advised them to bring specific cases, if any, to my notice for appropriate action.